

4. New Pathways for India's Creative Economy



Description :

India's creative economy is growing, contributing significantly to exports and employment. However, despite rich traditions of creativity and innovation at grassroots levels, the gap between creativity and innovation remains wide. Global trends show a booming creative economy with over \$2 trillion in annual revenue. India must invest in converting creative ideas into scalable innovations, ensure intellectual property (IP) protection, and promote models like "One District, One Innovation." Empowering local communities through creative solutions and targeted investment is crucial to meeting development and climate adaptation goals.

Key Points :

- Global creative economy worth over \$2 trillion; 50 million jobs worldwide

- India's creative industry valued at \$30 billion; employs 8% of workforce
- Major segments: software, R&D, advertising/design
- Grassroots innovations (like mitti cool, pedal washers) need scaling
- Creativity types: deliberate/spontaneous, cognitive/emotional
- Need for investment, IP protection, and district-level innovation models
- Creative ideas can help tackle climate change and local development

भारत की क्रिएटिव इकोनॉमी के लिए नए रास्ते

विवरण :

भारत की क्रिएटिव इकोनॉमी में तीव्र वृद्धि हो रही है और यह रोजगार व निर्यात में बड़ा योगदान दे रही है। हालांकि, देश में रचनात्मकता की भरमार होने के बावजूद उसे नवाचारों में बदलने के लिए उचित निवेश और नीतिगत समर्थन की कमी है। वैश्विक स्तर पर यह क्षेत्र \$2 ट्रिलियन से अधिक राजस्व उत्पन्न करता है। भारत को ज़मीनी स्तर की रचनात्मकता को नवाचार में बदलने, बौद्धिक संपदा सुरक्षा सुनिश्चित करने और "एक ज़िला, एक नवाचार" जैसी पहल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

मुख्य बिंदु :

- वैश्विक क्रिएटिव इकोनॉमी: \$2 ट्रिलियन+ का राजस्व, 5 करोड़ नौकरियां
- भारत में \$30 बिलियन का मूल्य और 8% कार्यबल इसमें संलग्न
- प्रमुख क्षेत्र: सॉफ्टवेयर, अनुसंधान एवं विकास, डिजाइन
- मिट्टी कूल, पैडल वॉशर जैसे नवाचारों को स्केल-अप की आवश्यकता
- रचनात्मकता के प्रकार: भावनात्मक/संज्ञानात्मक, आत्म/बाह्य प्रेरित

- निवेश, आईपी सुरक्षा और जिला-स्तरीय नवाचार नीति की आवश्यकता
- जलवायु परिवर्तन से निपटने में स्थानीय नवाचार महत्वपूर्ण हो सकते हैं

What is the key challenge in India's creative economy as per the article?

- A. Lack of creative ideas
- B. Absence of digital infrastructure
- C. Gap between creativity and innovation
- D. Too much focus on foreign investment

Answer: C. Gap between creativity and innovation

Explanation: While creativity is abundant, institutional support to scale innovations is limited.

भारत की क्रिएटिव इकोनॉमी की प्रमुख चुनौती क्या बताई गई है?

- A. रचनात्मक विचारों की कमी
- B. डिजिटल ढांचे का अभाव
- C. रचनात्मकता और नवाचार के बीच की खाई
- D. विदेशी निवेश पर अधिक निर्भरता

उत्तर: C. रचनात्मकता और नवाचार के बीच की खाई

व्याख्या: लेख में बताया गया है कि रचनात्मकता तो है, पर उसे नवाचार में बदलने के लिए संस्थागत समर्थन और निवेश कम है।

Which initiative is suggested to promote innovation at the local level?

- A. Make in India
- B. One District One Innovation
- C. Atmanirbhar Bharat Abhiyan
- D. Digital India Mission

Answer: B. One District One Innovation

Explanation: The article proposes a district-wise innovation model like the successful "One District One Product" initiative.

स्थानीय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कौन सी पहल सुझाई गई है?

- A. मेक इन इंडिया
- B. एक ज़िला, एक नवाचार
- C. आत्मनिर्भर भारत अभियान
- D. डिजिटल इंडिया मिशन

उत्तर: B. एक ज़िला, एक नवाचार

व्याख्या: लेख में 'एक ज़िला, एक उत्पाद' की तरह 'एक ज़िला, एक नवाचार' मॉडल लागू करने की सलाह दी गई है।